RAJASTHAN PATRIKA, Ahmadabad, 13.9.2019
Page No. 2, Size:(10.70)cms X (27.36)cms.

2023 के अंत तक दौड़ेगी भारत की पहली बुलेट ट्रेन

हर 30 मिनट में मिलेगी मुंबई के लिए ट्रेन

अहमदाबाद. अहमदाबाद व मुंबई के बीच प्रस्तावित बुलेट ट्रेन (हाईस्पीड रेल) दिसम्बर 2023 तक आरंभ हो सकेगी। राष्ट्रीय हाई स्पीड रेल निगम लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के प्रबंध निदेशक अचल खरे ने गुरुवार को मुंबई-अमहदाबाद हाई स्पीड रेल प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी देते हुए यह बात कही। उन्होंने बताया कि पूरी कोशिश की जा रही है कि उक्त समय तक बुलेट ट्रेन शुरू हो सके। हालांकि इससे पहले शुरु किए जाने के प्रयास होंगे।

उन्होंने कहा कि बुलेट ट्रेन शुरू होते ही प्रति दिन 35 ट्रेन मुंबई के लिए रवाना होंगी। सुबह छह बजे से रात बारह बजे तक हर आधा घंटे (अधिकतम) में ट्रेन रवाना होगी। जबकि पिक अवर्स में बीस मिनट में ट्रेन रवाना होगी।

सरसपुर की ओर तीन तरह की रेलों का होगा स्टेशन

अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पर सरसपुर की तरफ प्लेट फार्म संख्या 10, 11 एवं 12 के ऊपर पूर्व की ओर हाई स्पीड रेल (एचएसआर) अर्थात बुलेट ट्रेन का स्टेशन बनाया जाएगा। यहां पश्चिम रेलवे का स्टेशन मौजूद है और अब बुलेट ट्रेन और मेट्रो ट्रेन का स्टेशन बनाने की कवायद की जा रही है। इस तरह सरसपुर की तरफ तीन रेलों का स्टेशन होगा।

उन्होंने बताया कि बुलेट ट्रेनों के स्टेशन के परिवहन के अन्य साधनों के साथ सरल एकीकरण सुनिश्चित करने के लिए स्टेशन लेआउट तैयार किया है। यात्री परिवहन के लिए एकीकृत भवन की योजना मौजूदा रेलवे स्टेशन के पूर्व की ओर बनाई गई है। इससे यात्री परिवहन के एक साधन से दूसरे का उपयोग कर सकेंगे। इसमें सभी आधुनिक सुविधाएं भी होंगी। एकीकृत भवन में एक नंबर से लेकर नौ नंबर प्लेटफॉर्म तक आने वाले यात्रियों के लिए पश्चिम रेलवे तथा सरसपुर की ओर भूमिगत मेट्रो स्टेशन से भी यह कनेक्शन होगा।

उन्होंने बताया कि मौजूदा रेलवे लाइनों के ऊपर बुलेट ट्रेन के स्टेशनों का निर्माण काफी चुनौतीपूर्ण है। रेलवे पटरियों के साथ-साथ सिग्नलिंग और टेलिकॉम केबल पाइपलाइन, इलेक्ट्रिकल केबल, टैंक आदि का स्थानान्तरण करना भी जरूरी है। अहमदाबाद स्टेशन भारत के उन काफी कम स्टेशनों में शामिल होगा जो बुलेट ट्रेन के अलावा मेट्रो रेल, पारंपरिक रेलवे तथा निजी वाहनों से जुड़ा होगा। इस तरह साबरमती रेलवे स्टेशन पर भी बुलेट ट्रेन को लेकर काम किया जा रहा है।

2053 तक हर छह मिनट में दौड़ेगी ट्रेन

उन्होंने संभावना जताई कि आगामी तीस वर्ष में मुंबई के लिए प्रतिदिन 105 ट्रेन दौड़ाने की योजना है। जिससे हर छह मिनट में ट्रेन रवाना हो सकेगी।

किराया होगा तीन हजार

बुलेट ट्रेन में मुंबई तक का किराया लगभग तीन हजार होगा। दो घंटे में यह ट्रेन मुंबई पहुंचा देगी, जिससे रोड ट्रैफिक में कमी आने की संभावना है। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि बीच के स्टेशनों का भी किराया तीन हजार होगा। यदि किसी को नजदीक जाना है तो किराया दो सौ रुपए भी किराया हो सकता है।

1380 हेक्टेयर जमीन की आवश्यकता

अहमदाबाद से मुंबई तक एचएसआर कोरिडोर के 1380 हेक्टेयर जमीन की आवश्यकता है। इसकी अनुमानित कीमत लगभग सत्रह हजार करोड़ रुपए आंकी गई है। इसमें से 622 हेक्टेयर जमीन आ गई है। शेष जमीन के लिए कार्रवाई की जा रही है। इसके लिए 1700 करोड़ रुपए चुकाए भी गए हैं। इस जमीन में दो तिहाई हिस्सा गुजरात का और एक तिहाई हिस्सा महाराष्ट्र का है।

संभवतः जंत्री की कीमत से नाखुश थे किसान

बुलेट ट्रेन कोरीडोर के लिए जमीन अधिगृहण के लिए संभवतः जंत्री की कीमत से किसान नाखुश थे। प्रबंध निदेशक खरे ने बताया कि लगभग नौ से दस वर्ष से गुजरात में जंत्री की दर में ज्यादा कुछ बढ़ोतरी नहीं हुई थी। वर्ष 2017 से 53 फीसदी दरें बढ़ने के कारण परियोजना के लिए जमीन लेने में ज्यादा परेशानी नहीं हुई है।

यातायात प्रबंधन योजना भी प्रस्तावित

सरसपुर में स्टेशन के बाहर सुचारू यातायात आवागमन के लिए स्टेशन के असापास एक विस्तृत यातायात प्रबंधन योजना भी प्रस्तावित है। अहमदाबाद जंक्शन रेलवे स्टेशन पर बस, टैक्सी, रिक्शा, स्कूटर जैसे निजी वाहनों के परिवहन की भी खास व्यवस्था का प्रावधान है। इसके लिए अलग-अलग पिकअप क्षेत्र होंगे। क्षेत्र में मल्टीलेवल पार्किंग की भी योजना है।

4000 पेड़ों का होगा ट्रांसप्लान्ट

बुलेट ट्रेन कोरीडोर में साबरमती एवं सरसपुर इलाकों में लगभग चार हजार पेड़ रुकावट में हैं। इन पेड़ों को विशेष तकनीक से उखाड़ कर पुनः रोपित किया जा सकेगा। अब तक इस तरह के 134 पेड़ों का ट्रान्सप्लान्ट किया जा चुका है।

ओएनजीसी के पांच कुएं भी होंगे शिफ्ट

बुलेट परियोजना के चलते अहमदाबाद में ओएनजीसी के पांच कुए भी शिफ्ट होंगे। इनमें से तीन को शिफ्ट भी कर दिया गया है। इसमें लगभग 25 करोड़ की लागत आने की संभावना है।

साबरमती मल्टीमॉडल स्टेशन

बुलेट ट्रेन के स्टेशन के लिए साबरमती स्टेशन को मल्टी मॉडल स्टेशन बनाया जा रहा है। प्रबंध निदेशक खरे ने बताया कि स्टेशन के भीतर ही पश्चिम रेलवे और बुलेट ट्रेन के पेसेंजरों को आने जाने की व्यवस्था होगी। उन्हें बुलेट ट्रेन के लिए बाहर नहीं आना पड़ेगा।